हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 312 देहरादून गुरूवार 05 फरवरी 2026 मूल्य :रू 2 पृष्ठ : 8

मुख्यमंत्री धामी की अध्यक्षता में कौशल विकास व फॉरवर्ड लिंकेज पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

-युवाओं को मांग आधारित कौशल, सुनिश्चित रोजगार और बेहतर वेतन दिलाने पर जोर

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय सभागार में कौशल विकास के अंतर्गत अब तक की कार्य प्रगति तथा स्किल प्राप्त युवाओं को फॉरवर्ड लिंकेज से जोड़ने के संबंध में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।आईटीआई संस्थानों और स्किल प्राप्त युवाओं की वृद्धि के बावजूद रोजगार गैप पर गंभीर मंथन : बैठक में इस तथ्य पर गहन चर्चा हुई कि राज्य में आईटीआई व तकनीकी संस्थानों तथा प्रशिक्षित युवाओं की संख्या बढ़ने के बावजूद उद्योगों में उनकी प्लेसमेंट और संतोषजनक वेतन क्यों नहीं मिल पा रहा है। मुख्यमंत्री ने इसे प्रबंधन, समन्वय और प्लेटफार्म स्तर पर कमी का संकेत बताते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए।बेरोजगारी बनाम कुशल श्रमिकों की कमी, समन्वय की जरूरत: मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ओर नाई, प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, मिस्त्री, कारपेंटर जैसे दैनिक कार्यों के लिए कुशल श्रमिक आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाते, वहीं दूसरी ओर अनेक

युवा जो आईटीआई से तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं वे रोजगार की आकांक्षा में रहते हैं। उन्होंने तकनीकी, शिक्षा, कौशल और अन्य संबंधित विभागों के बेहतर समन्वय से इस विरोधाभास को दूर करने के निर्देश दिए।स्मार्ट मानव संसाधन पर फोकस, उद्योग मांग के अनुरूप पाठ्यक्रम : बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि केवल स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बल्कि स्मार्ट मानव संसाधन तैयार करना प्राथमिकता होगी। उद्योगों और भविष्य की तकनीकी मांग के अनुरूप रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम, प्रशिक्षित ट्रेनर-शिक्षक और आईटीआई जैसे तकनीकी संस्थानों को अपग्रेड करने पर जोर देने को कहा।तीन स्तर की वर्कफोर्स और स्थानीय रोजगार मॉडल : मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि स्थानीय स्तर पर दैनिक कार्यों के लिए बेसिक स्किल वर्कर, मीडियम तकनीक की वर्कफोर्स और उच्च कुशल तकनीकी वर्कफोर्स तैयार करने का समेकित मॉडल विकसित किया जाए, जिससे विकसित भारत /2047 की आकांक्षा को साकार करने को बल मिले।ट्रेनिंग के साथ रोजगार सुनिश्चित, पाठ्यक्रमों की हो सतत समीक्षा: निर्देश दिए गए कि प्रशिक्षण के लिए चयन होते ही युवाओं को रोजगार प्रदाता संस्थानों से टैग किया जाए, ताकि ट्रेनिंग के दौरान ही जॉब सिक्योरिटी सुनिश्चित हो। तकनीकी पाठ्यक्रमों को समयानुसार रिवाइज करने तथा 6 माह, मध्य अवधि और दीर्घकालिक तीनों स्तरों पर आउटकम सुनिश्चित करने पर बल दिया जाय।विदेशों में रोजगार, पारदर्शी भर्ती और न्यायिक प्रकरणों पर निर्देश : विदेशों में स्वरोजगार/रोजगार के अवसरों के लिए चयनित किए जाने वाले युवाओं को भारत सरकार की विभिन्न देशों के अनुरूप प्रबंधन के संबंध में गाइडलाइंस साझा की जाए। ताकि उनको संबंधित देश में अपने आपको अनुकूलित करने में अधिक आसानी हो।सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा न्यायालय में लंबित प्रकरणों के प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए, ताकि भर्ती परिणाम अनावश्यक रूप से लंबित न रहे।उद्योग सहभागिता और एकीकृत प्लेटफार्म पर जोर : कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने उद्योगों को प्रशिक्षण में भागीदार बनाने का सुझाव दिया, जिससे मांग आधारित कौशल विकसित हों। उन्होंने बताया कि यदि उद्योग भी प्रशिक्षण और तकनीकी पाठ्यक्रम के निर्धारण में शामिल होंगे तो वे उद्योगों की मांग के अनुरूप युवाओं को स्किल्ड कर पाएंगे। इससे युवाओं को जॉब पाने के अधिक अवसर प्राप्त होंगे।

युवती और परिवार को परेशान करने में पड़ोसियों पर केस

देहरादून संवाददाता. रायपुर थाना क्षेत्र की शिवपुरी कॉलोनी में पड़ोसियों के उत्पीड़न से परेशान एक युवती की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि पड़ोसी मोनू और सोनू पिछले कई वर्षों से युवती और उसके परिवार को परेशान कर मारने की धमकी दे रहे हैं। एसओ रायपुर गिरीश नेगी ने बताया कि आफरीन के अनुसार सोनू के खिलाफ पूर्व में भी मामला अदालत में चल रहा है। इसके बावजूद आरोपी आदत से बाज नहीं आए। बीते दिनों आरोपियों ने युवती की गर्भवती बहन के साथ बदसलूकी कर उसे धक्का दिया और युवती के पिता पर पत्थरों से हमला किया।

पुण्यतिथि पर संत समाज ने ब्रह्मलीन स्वामी हंसदेवाचार्य को दी श्रद्धांजलि

हरिद्वार संवाददाता. ब्रह्मलीन श्रीमज्जद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी हंसदेवाचार्य महाराज की सातवीं पुण्यतिथि पर अखाड़ा परिषद से जुड़े सभी 13 अखाड़ों के संत-महापुरुषों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। भीमगोड़ा स्थित स्वामी जगन्नाथ धाम ट्रस्ट में महामंडलेश्वर स्वामी अरुण दास महाराज के संयोजन में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल के अध्यक्ष श्रीमहंत ज्ञानदेव सिंह महाराज ने कहा कि साकेतवासी स्वामी हंसदेवाचार्य महाराज त्याग, तपस्या और सेवा की जीवंत प्रतिमूर्ति थे। सनातन धर्म संस्कृति के संरक्षण और उन्नयन के साथ अयोध्या में राम मंदिर निर्माण आंदोलन में उनका योगदान स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि उनके

परम शिष्य महामंडलेश्वर स्वामी अरुण दास महाराज जिस निष्ठा से गुरु परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं, वह प्रेरणास्रोत है। महामंडलेश्वर स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि परमार्थ के लिए जीवन समर्पित करने वाले संत केवल शरीर का त्याग करते हैं, उनकी आत्मा समाज का मार्गदर्शन करती है। स्वामी हंसदेवाचार्य महाराज के विचार और शिक्षाएं सदैव समाज को दिशा देती रहेंगी। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानंद महाराज ने कहा कि स्वामी हंसदेवाचार्य महाराज महान आत्मा थे, जो संत समाज और भक्तों की स्मृतियों में सदैव जीवंत रहेंगे। उन्होंने सभी से उनके बताए मार्ग पर चलकर मानव कल्याण के कार्यों में योगदान देने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार...

नुक्कड़ नाटक से दिया पानी बचाने का संदेश

देहरादून संवाददाता. प्रेम नगर स्थित कैंट जूनियर हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम के तहत प्रेम नगर खन्ना चौक पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। जिसमें बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम लोगों और व्यापारियों को पानी का महत्व समझाया गया। नाटक में पानी की बर्बादी रोकने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर प्राचार्य अजमत परवीन, यशपाल सिंह, नीरू जोशी, विक्की खन्ना, भूषण भाटिया, रवि भाटिया, प्रिया उपाध्याय मौजूद रहे।

महिलाओं के खिलाफ अपराधिक घटनाओं के विरोध में यूकेडी का उग्र प्रदर्शन

देहरादून संवाददाता. प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ लगातार हो रही जघन्य अपराधिक घटनाओं और राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए उत्तराखंड क्रान्ति दल (यूकेडी) ने एसएसपी कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन यूकेडी के महानगर अध्यक्ष प्रबीन रमोला के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान सीओ सिटी के माध्यम से डीजीपी को ज्ञापन प्रेषित किया। बुधवार को एसएसपी कार्यालय के निकट बैरिकैडिंग पर प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोक दिया। जिसके बाद पुलिस और यूकेडी कार्यकर्ताओं वहीं सड़क पर धरने पर बैठ गए।

चरस तस्करी का आरोपी आठ साल बाद दोषमुक्त

विकासनगर संवाददाता.विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस नंदन सिंह अदालत ने बुधवार को चरस तस्करी के आरोपी को दोषमुक्त कर दिया। आठ साल पहले त्यूणी थाना क्षेत्र के डिमीच गांव निवासी मातबर सिंह को चरस के साथ गिरफ्तार किया गया था। मामले में आरोपी को संदेह का लाभ मिल गया।

सम्पादकीय

भारत को तुर्की से सीखना चाहिए

भारत के सामने एक मॉडल तुर्किए का है, जिसने न सिर्फ अपने को अपनी हथियार जरुरतों में आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को ड्रोन सहित अपने हथियार बेच रहा है। उसने पिछले 40 साल में इतने सुनियोजित तरीके से यह काम किया है कि भारत को उससे सीखना चाहिए। भारत ने भी देखा कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्किए से मिले ड्रोन से पाकिस्तान लड़ रहा था। अब भी उसी के ड्रोन गाहे बगाहे पाकिस्तान सीमा पर दिखते हैं। उसने सातवें दशक में साइप्रस संकट के समय अमेरिका और यूरोप ने उसको हथियार देने पर पाबंदी लगा दी थी। उसके बाद ही उसने अपने को आत्मनिर्भर बनाने का फैसला किया और 1985 में प्रेसिडेंसी ऑफ डिफेंस इंडस्ट्रीज के नाम से एक केंद्रीय संस्था बनाई। उसके बाद पिछले चार दशक में तुर्किए ने अलग ही पहचान बना ली है। भारत भी इस मॉडल पर काम कर सकता है। इस मॉडल की कुछ खास बातें हैं। जैसे तुर्किए ने दूसरे देशों के साथ जो भी हथियार सौदा किया उसमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की अनिवार्य शर्त रखी। उसने अमेरिका, जर्मनी, इटली आदि से हथियारों का सौदा किया तो उसके लोकल प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की शर्त रखी। उसने स्थानीय इंजीनियरों द्वारा उत्पादन की भी शर्त रखी। सोर्स कोड और डिजाइन पर अधिकार किया और लडाकू विमान से लेकर हेलीकॉप्टर और गाइडेड मिसाइल जैसी कई चीजों के उत्पादन का लाइसेंस हासिल किया। इसके बाद उसने ड्रोन क्रांति की, जिसमें निजी कंपनियों को शामिल किया। रक्षा उत्पादन में भी तुर्किए ने पब्लिक और प्राइवेट पार्टनरशिप में काम किया। लेकिन ड्रोन का पूरा क्षेत्र निजी कंपनियों को दिया और यह सुनिश्चित किया कि वे उत्पादन करें, बिकवाने की गारंटी उसकी होगी। यानी तुर्किए उनके लिए बाजार और ग्राहक जुटाएगा। आज स्थिति यह है कि अपनी रक्षा जरुरतों के मामले में तुर्किए 80 फीसदी आत्मनिर्भर है। इतना ही नहीं तुर्किए आज 180 देशों को अपने हथियार बेचता है। पूरा अफ्रीका उसका बाजार है। वह मध्य एशिया, खाड़ी देशों के साथ साथ यूरोप को भी हथियार बेचता है। उसने देश के कई हिस्सों में डिफेंस प्रोडक्शन के कलस्टर बनाए हैं, जहां उत्पादन होता है। भारत अगर आज इस मॉडल पर चलना शुरू होता है तो अब तकनीक और उत्पादन की रफ्तार दोनों इतनी तेज हो गई है कि उसे तुर्किए की तरह 40 साल नहीं इंतजार करना होगा। वह सिर्फ 10 साल में अपनी जरुरतों के लिए आत्मनिर्भर हो जाएगा और दुनिया के रक्षा से जुड़े उत्पाद बेचने लगेगा। भारत के पास पहले से डीआरडीओ और अन्य पीएसयू हैं, जो रक्षा उपकरण बना रहे हैं। भारत जो व्यापारिक संधियां कर रहा है उसमें प्रौद्योगिक हस्तांतरण, लाइसेंस्ड प्रोडक्शन, लोकल इंजीनियर और लोकल प्रोडक्शन, सोर्स कोड व डिजाइन पर कंट्रोल आदि की शर्तें रखवाता है और निजी व सरकारी कंपनियों को इस काम में शामिल करता है तो बहुत जल्दी भारत में भी एक बड़ा मिलिट्री डिफेंस कॉम्प्लेक्स विकसित हो सकता है। इसके अलावा भारत के पास इसरो के रूप में एक ऐसी संस्था है, जिसने पहले से पूरी दुनिया में अपना बाजार बनाया है। उसको राजनीति में घसीटने की बजाय उसे और मजबूत बनाया जाए तो वहां से दुनिया भर के सेटेलाइट लॉन्च होंगे, जिनसे भारत को आय होगी। भारत की बड़ी समस्या यह है कि यहां के अरबपति, खरबपति सब यही के 140 करोड़ लोगों की जेब से पैसे निकालने और सरकारी व प्राकृतिक संपदा का दोहन करके अपना खजाना भरने में लगे हैं। वे शोध व विकास यानी आरएंडडी पर धेला खर्च नहीं करते हैं। वे कोई जोखिम नहीं लेते हैं। उनकी सारी कमाई दुनिया की बड़ी कंपनियों का माल बेच कर है या सरकारी ठेके हासिल करने से है। सरकार खुद भी आरएंडडी पर बहुत कम खर्च करती है। सरकार रिसर्च पर अपना खर्च बढ़ाए, शिक्षण संस्थाओं को बेहतर करे और निजी सेक्टर को निवेश करने के लिए प्रेरित करे तब भी भारत की निर्भरता दूसरे देशों पर कम होगी और उसके बाद भारत अपना सामान बाहर बेचने लायक बनेगा।

शिक्षक अब पाठ्येत्तर कार्यों के लिए हैं

अजीत द्विवेदी

शिक्षक का मूल कार्य अध्ययन और अध्यापन है। भारत के सरकारी स्कूलों के शिक्षक अध्ययन का काम पहले ही काफी हद तक छोड़ चुके थे और अब अध्यापन का काम भी नाममात्र का रह गया है। शिक्षक अब स्कूलों में पढ़ाने के लिए नहीं हैं, बल्कि पाठ्येत्तर कार्यों के लिए हैं। उनके ऊपर इतने कामों की जिम्मेदारी लाद दी गई है कि वे बच्चों को पढ़ाने के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं। सरकारी स्कूलों की शिक्षा का स्तर लगातार कम होता जा रहा है तो इसका एकमात्र कारण यह नहीं है कि शिक्षक अच्छे नहीं हैं या शिक्षकों के प्रशिक्षण की अच्छी व्यवस्था नहीं है। वह कई कारणों में से एक कारण है। असल में सरकारी स्कूलों की कार्यों की सूची में अध्यापन का कार्य प्राथमिकता में नहीं है।उन्हें स्कूल से बाहर और स्कूल में भी कई दूसरे काम करने हैं, जिनका पढ़ाई-लिखाई से कोई मतलब नहीं है। जैसे अभी 12 राज्यों और केंद्र शासित राज्यों के शिक्षक मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के काम में लगे हैं। कुछ राज्यों के शिक्षक स्थानीय निकायों के चुनाव करा रहे हैं। इस साल और अगले साल दो चरणों में जनगणना का काम होगा और शिक्षक उसमें लगा दिए जाएंगे। पांच राज्यों के चुनाव भी हैं तो मतदान कराने से लेकर मतगणना तक उन राज्यों के सरकारी शिक्षक उसमें व्यस्त हो जाएंगे। वैसे उन राज्यों के स्कूल भी चुनाव के लिए आरक्षित होंगे। कहीं सुरक्षा बलों को ठहराया जाएगा तो कहीं मतदान केंद्र बनेंगे तो कहीं मतगणना केंद्र बनाए जाएंगे।मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण या संक्षिप्त पुनरीक्षण या मतदान और मतगणना या जनगणना जैसे कामों की सूची बेहद लंबी है, जो शिक्षकों को करना होता है। एक अनुमान के मुताबिक अध्ययन और अध्यापन के अलावा शिक्षकों को स्कूल के बाहर डेढ़ दर्जन किस्म के अन्य सरकारी काम करने होते हैं। एक शिक्षक ने तंज करते हुए सोशल मीडिया में लिखा था कि अच्छा है कि सरकार खेती नहीं कराती है अन्यथा बुवाई, कटाई का काम भी शिक्षकों को करना होता।बहरहाल, सरकार परिवार और स्वास्थ्य का सर्वे करती है तो वह काम शिक्षक करते हैं, सरकार पशुओं की गिनती कराती है तो वह काम शिक्षक करते हैं, सरकार किसी आपदा की स्थिति में राहत सामग्री बांटती है तो वह काम भी शिक्षकों के जिम्मे होता है, किसी बीमारी या टीके के लिए जागरूकता फैलानी है तो उसका जिम्मा भी शिक्षकों के ऊपर होता है, सफाई अभियान चलाना है तो उसमें शिक्षकों को आगे किया जाता है, यहां तक कि सत्तापक्ष के किसी बड़े नेता की रैली होती है तो उसमें भी शिक्षकों को बस में भर कर रैली में जाना होता है। केंद्र और राज्य सरकारों के अलावा जिले के कलेक्टर, प्रखंड के बीडीओ और पंचायत के मुखिया भी शिक्षकों को किसी न किसी काम में लगाए रहते हैं।स्कूल के बाहर शिक्षकों को जो डेढ़ दर्जन अलग अलग किस्म के काम करने होते हैं उसके बाद ऐसा नहीं है कि बचे हुए समय में उनको स्कूल में बच्चों को पढ़ाना है। स्कूल में उनको डेढ़ दर्जन अलग किस्म के काम करने हैं, जो अध्ययन और अध्यापन से इतर हैं। मिसाल के तौर पर मिड डे मील तैयार करना एक काम होता है। एक से ज्यादा शिक्षक तो इसी में लगे रहते हैं। राशन खरीदने से लेकर खाना तैयार कराना और बच्चों को खिलाना स्कूलों में प्राथमिकता का काम है। जब से सरकार को लगने लगा है कि मास्टर लोग राशन में गड़बड़ी करते हैं तब से गड़बड़ी नहीं होने के सबूत जुटाना यानी हर चीज का हिसाब रखना, वीडियो आदि बनाना, डैशबोर्ड पर अपलोड करना भी शिक्षकों का जिम्मा हो गया है।एक समय सरकार को लगा कि बच्चे सिर्फ खाने आते हैं या बच्चों की असली संख्या कम होता है और ज्यादा बच्चों के लिए खाना बनाने के नाम पर पैसे की गड़बड़ी होती है तब से शिक्षकों को यह काम भी दिया गया कि वे मिड डे मील खाने वाले बच्चों का फेशियल रिकग्निशन करें और उनकी वीडियो तैयार करें ताकि पुष्टि हो सके कि जिस बच्चे का नाम रॉल में है उसने स्कूल में खाना खाया। सो, मिड डे मील का मामला अब राशन खरीदने, खाना बनवाने और खिलाने के काम से काफी आगे बढ़ गया है। इस बीच तमिलनाडु सहित 12 राज्यों ने प्रस्ताव दिया है कि अगर स्कूलों में बच्चों को सुबह का नाश्ता भी दिया जाए तो उनका बेहतर पोषण होगा, उपस्थिति बढ़ेगी और पढ़ाई में उनका मन भी लगेगा। केंद्र सरकार इस पर विचार कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारों को इसे भी लागू कर ही देना चाहिए ताकि शिक्षकों को पढ़ाने के काम से पूरी तरह से मुक्ति मिल जाए।

ऐसा नहीं है कि इतने पर भी शिक्षकों की जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है। उन्हें और भी कई काम करने होते हैं। मान लीजिए कि शिक्षा मंत्री शिक्षा से जुड़े किसी कार्यक्रम को संबोधित करते हैं तो स्कूलों से कहा जाता है कि उनका भाषण बच्चों को सुनाया जाए ताकि वे श्लाभान्वित्व हो सकें। केंद्रीय विद्यालयों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री का भाषण सुनाया जाता है तो राज्यों के स्कूलों में राज्य के शिक्षा मंत्री का भाषण सुनाया जाता है। प्रध ानमंत्री का भाषण तो सभी स्कूलों में सुनाया जाता है। भाषण सुनाने की व्यवस्था करने में कम से कम दो कक्षाएं प्रभावित होती हैं। लेकिन इतने पर काम खत्म नहीं होता है।

भाषण सुनते बच्चों की वीडिया बना कर उनको ऊपर भेजना होता है और किसी निर्धारित पोर्टल पर अपलोड भी करना होता है। यह काम हर सरकारी फंक्शन के बाद करना होता है। राष्ट्रीय दिवस का कार्यक्रम हो या नवाचार के नाम पर शुरू की गई किसी पहल का कार्यक्रम हो। उसे आयोजित करना, उसकी वीडियो बनाना और उसे अपलोड करना शिक्षकों की जिम्मेदारी होती है। शिक्षकों को इवेंट मैनेजर बना दिया गया है। उनको कार्यक्रम आयोजित करने, उसे सफल बनाने और उसके वीडियो अपलोड करने से फुरसत नहीं मिलती है। ग्रामीण और छोटे कस्बों में तो ज्यादातर स्कूल दो या तीन शिक्षकों के साथ चलते हैं। उन स्कूलों में तो शिक्षकों को पढ़ाने की फुरसत कभी नहीं मिल पाती है।

एनसीईआरटी के निदेशक रहे देश के जाने माने शिक्षाविद् प्रोफेसर कृष्ण कुमार ने दो महीने पहले श्एक अग्रेजी अखबार्य में एक लेख लिखा था, जिसका शीर्षक था श्इन इंडिया, व्हाई टीचर्स आर वॉकिंग अवे फ्रॉम द क्लासरूम्य। इसमें उन्होंने यूनेस्को की एक रिपोर्ट का हवाला दिया था, जिसका टाइटल श्व्हेअर हैव ऑल द टीचर्स गॉन्य था। इसमें यूनेस्को ने दुनिया भर में उभर रहे एक ट्रेंड का हवाला दिया था। दुनिया भर के देशों में पिछले दो दशक में अलग अलग कारणों से शिक्षक अपनी नौकरी छोड़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि दूसरी नौकरी मिलने पर वे शिक्षक की नौकरी छोड़ रही हैं। वे स्कूलों में नौकरी करने की बजाय बेरोजगारी और अनिश्चितता का भविष्य चुन रहे हैं। यह बहुत भयावह ट्रेंड है। ऐसा करने के कई कारणों में एक कारण स्कूलों में बच्चों का बदलता व्यवहार भी है।

अच्छे शिक्षकों के लिए अब बच्चों को स्कूलों में हैंडल करना दिन प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। एक कारण स्कूलों की दशा भी है। लेकिन एक बड़ा कारण नौकरशाही है, जिसका ऊपर जिक्र किया गया है। शिक्षकों को पढ़ाने से ज्यादा प्रबंधन के काम में लगा दिया गया है। उन्हें कार्यक्रम आयोजित करने हैं, कार्यक्रमों की वीडियो बनानी है, उन्हें सरकारी पोर्टल पर अपलोड करना है, अलग अलग कार्यों की रिपोर्ट तैयार करनी है, उस रिपोर्ट को सरकारी दफ्तरों में भेजना है, नेताओं व अधिकारियों के भाषण सुनने हैं, उन भाषणों में कही गई उलजुलूल बातों को स्कूल में बच्चों को बताना है, इन सब कारणों से अच्छे शिक्षकों का मोहभंग हो रहा है। वे स्कूल छोड़ रहे हैं। जो बचे रह जा रहे हैं वे अध्ययन या अध्यापन का काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि नौकरी कर रहे हैं।

शिक्षकों को क्लर्क या मैनेजर बना दिया गया है। उन्हें बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के तरीके खोजने के लिए प्रेरित नहीं किया जाता है। उन्हें बच्चों में रचनात्मकता लाने के लिए प्रेरित नहीं किया जाता है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुख्यमंत्री धामी ने दून अस्पताल पहुंचकर क्वानू मीनस मोटर मार्ग दुर्घटना में घायल यात्रियों का हाल जाना

- घायलों का हालचाल जाना, पारिवारिक जनों से बातचीत कर इलाज का पूरा भरोसा दिया

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कालसी क्षेत्र अंतर्गत क्वानूख्रमीनस मोटर मार्ग पर हिमाचल परिवहन निगम की बस दुर्घटना में घायल हुए हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड के यात्रियों का हाल-चाल जानने के लिए राजकीय दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में दिवंगत हुए लोगों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में भर्ती घायलों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा चिकित्सकों से उपचार की स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सकीय टीम को सभी घायलों को सर्वोत्तम एवं त्वरित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने घायलों के परिजनों से भी बातचीत कर उन्हें विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार द्वारा उपचार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी तथा सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विकासनगर के उप जिला चिकित्साधिकारी से दूरभाष पर विकासनगर में उपचाराधीन दुर्घटना के घायलों को भी समुचित एवं संवेदनशील चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश सरकार को भी आश्वस्त किया कि उत्तराखंड में उपचाराधीन हिमाचल के सभी घायल यात्रियों का समुचित एवं नि:शुल्क उपचार राज्य सरकार द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार...

पुलिस की लापरवाही को लेकर यूकेडी का एसएसपी कार्यालय कूच

देहरादून संवाददाता. एसएसपी कार्यालय का घेराव करने जा रहे यूकेडी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने कचहरी रोड पर रोक लिया। इस दौरान यूकेडी कार्यकर्ताओं ने जमकर नारे बाजी की। बुधवार दोपहर यूकेडी कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ नारे लगाते हुए एसएसपी कार्यालय कूच किया। इसको पुलिस बल ने कचहरी रोड पर ही रोक लिया। कार्याकर्ताओं में हाल ही में जिले हुई आपराधिक घटनाओं को लेकर रोष है। कार्याकर्ताओं का कहना है कि पुलिस प्रशासन अपराध रोकने में नाकाम साबित हो रही है।

जलवायु अनुकूल कृषि पर हुई चर्चा

देहरादून संवाददाता. उत्तराखंड जलवायु अनुकूल वर्षा आधारित कृषि परियोजना (यूसीआरआरएफपी) के तहत जलागम निदेशालय में पर्यावरण एवं सामाजिक अभिमुखीकरण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को जलागम मुख्यालय में शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य विश्व बैंक समर्थित परियोजना में पर्यावरणीय एवं सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों की समझ और प्रभावी क्रियान्वयन को मजबूत करना है। विश्व बैंक के विशेषज्ञ अनुपम जोशी एवं ईवा ने पर्यावरण एवं सामाजिक ढांचा तथा पर्यावरण एवं सामाजिक प्रबंधन ढांचा पर तकनीकी सत्र लिए। साथ ही आदिवासी जनजाति योजना, कार्यस्थल पर लैंगिक समानता, यौन शोषण व उत्पीड़न, श्रम प्रबंधन प्रक्रियाएं और शिकायत निवारण तंत्र पर चर्चा हुई।हाइब्रिड मोड में आयोजित कार्यशाला में परियोजना निदेशक कहकशां नसीम, संयुक्त निदेशक डॉ. एके डिमरी, उपनिदेशक डॉ. एसके सिंह और डॉ. डीएस रावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

विधायक ने युवाओं से की मुलाकात

देहरादून संवाददाता. मेरा युवा भारत देहरादून कार्यक्रम के तत्वावधान में बुधवार को एससीआरटी ननूरखेड़ा में रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ ने अंतर राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया और पंजाब से आए प्रतिभागी युवाओं के दल से मुलाकात की। इस दौरान विशिष्ट अतिथियों को पुष्प व शॉल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कहा कि यह कार्यक्रम एक दूसरे की संस्कृति एवं सभ्यता का आदान-प्रदान के लिए मेरा युवा भारत द्वारा पूरे देश में संचालित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम की रूपरेखा एक भारत श्रेष्ठ भारत संस्कृति संवाद पर आधारित है। कार्यक्रम के अन्त में मेरा युवा भारत देहरादून की उपनिदेशक मोनिका नांदल ने सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित मुख्य अतिथियों का धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में ,सुमन बिष्ट,सुभाष खत्री और विक्की वर्मा आदि मौजूद रहे। एसीआरटी के सहायक निदेशक प्रमेन्द्र बिजल्वाण, उपनिदेशक मोनिका नांदल, मेरा युवा भारत देहरादून से प्रवेश सिंह बड़वाल, सुमन बिष्ट, सुभाष और विक्की वर्मा मौजूद रहे।

नौकरानी भेजने का झांसा दे 39 हजार ठगे

देहरादून संवाददाता. एक वरिष्ठ नागरिक से घरेलू सहायिका (नौकरानी) दिलाने के नाम पर 39 हजार रुपये की धोखाधड़ी की गई। पैसिफिक गोल्फ एस्टेट, सहस्रधारा रोड निवासी 71 वर्षीय डॉ. उदय ककरू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने गूगल के माध्यम से दिल्ली की शिल्पा डोमेस्टिक हेल्प सर्विस से संपर्क किया था। एजेंसी के संचालक संतोष उर्फ संजय ने 12 हजार रुपये वेतन और 15 हजार रुपये कमीशन तय किया। 18 जनवरी को एजेंसी का कर्मचारी एक सहायिका अजंती प्रजापति को लेकर डॉ. ककरू के घर पहुंचा। पीडित ने उसे दो महीने का अग्रिम वेतन और कमीशन मिलाकर कुल 39 हजार रुपये नकद दे दिए। रकम मिलते ही कर्मचारी वहां से निकल गया। कुछ ही घंटों बाद सहायिका भी टहलने के बहाने घर से निकली और वापस नहीं लौटी। शक होने पर जब डॉ. ककरू ने संतोष को फोन किया तो उसने पहले टालमटोल किया और अब फोन उठाना बंद कर दिया है।

टिबड़ी कॉलोनी में हंगामा, शांति भंग के आरोप में युवक गिरफ्तार

हरिद्वार संवाददाता. कोतवाली रानीपुर क्षेत्र की टिबड़ी कॉलोनी में मंगलवार देर रात पड़ोसियों के बीच विवाद हंगामे में बदल गया। सूचना मिलने पर पहुंची रानीपुर पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग कर रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार देर रात टिबड़ी कॉलोनी से लड़ाई-झगड़े की सूचना मिली। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मौके पर एक युवक पड़ोसियों पर आरोप-प्रत्यारोप करते हुए हंगामा कर रहा था। युवक की पहचान जतिन उर्फ मन्नू पुत्र दिनेश कुमार, निवासी टिबड़ी, कोतवाली रानीपुर उम्र 26 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिसकर्मियों ने युवक को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह उत्तेजित होकर हुड़दंग करने लगा। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है। इसकी पुष्टि एसएसआई नितिन चौहान ने की है।

विकसित भारत जी रामजी योजना के अंतर्गत मनरेगा 125 दिन की रोजगार गारंटी- बीडीओ डोईवाला

जी राम जी योजना को लेकर प्रत्येक ब्लॉक चलेगा छ सप्ताह का कार्यक्रम

डोईवाला संवाददाता। विकसित भारत जी राम जी रोजगारी गारंटी योजना को लेकर प्रत्येक ब्लॉक में छ: सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिसमें आमजन को इस योजना के प्रति जागरूक किया जायेगा। इसी कड़ी में आज डोईवाला ब्लॉक में भी खण्ड विकास अधिकारी परशुराम शकलानी की अध्यक्षता में विकसित भारत जी राम जी योजना को लेकर महत्त्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें उप कार्यक्रम अधिकारी नरेगा डोईवाला नरेंद्र प्रताप सिंह नेगी ने कार्यक्रम के पहले दिन ग्राम प्रधानों व सम्बंधित अधिकारियों को योजना की नई गाइडलाइंस की जानकारी दी। ओर बताया कि छ: सप्ताह के इस कार्यक्रम में पहले सप्ताह में आई ई सी गतिविधि थीम पर कार्य किया जायेगा। कार्यक्रम के पहले सप्ताह में गांव गांव में, शिक्षा सम्बंधित वार्ता के साथ आमजन के साथ विकसित भारत जी राम जी योजना को लेकर चर्चा की जायेगी। कार्यक्रम के दौरान खण्ड विकास अधिकारी परशुराम शकलानी ने बताया कि मनरेगा योजना के अंतर्गत सो दिनों की रोजगार गारंटी दी गयी थी, लेकिन अब विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत इन कार्य दिवस को बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। इसी को लेकर सरकार ने नई गाइडलाइंस जारी की है, इसी को मद्देनजर रखते हुए विकसित भारत जी राम जी योजनाओं पर कार्य किये जायेंगे।

देहरादून में निकाली सड़क सुरक्षा रैली

देहरादून संवाददाता. राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के तहत बुधवार को शहर में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से सड़क सुरक्षा और स्वच्छता का संदेश दिया गया। दून लाइब्रेरी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर आयुक्त नमामी बंसल ने जागरूकता रैली को रवाना किया। इससे पहले नगर आयुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा और वायु प्रदूषण में सुधार के लिए सामूहिक जिम्मेदारी जरूरी है। उन्होंने कोटा शहर का उदाहरण देते हुए देहरादून को भी ट्रैफिक सिग्नल मुक्त बनाने की दिशा में प्रयास करने पर जोर दिया। उप परिवहन आयुक्त सुनील शर्मा ने कहा कि वायु प्रदूषण का सबसे बुरा असर बच्चों की सेहत पर पड़ रहा है। वहीं, आरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. अनीता चमोला ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत वर्ष 2026 तक वायु प्रदूषण में 40 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है।

धामी सरकार ने प्रति माह औसत 518 युवाओं को दी सरकारी नौकरी

- साढ़े चार साल के कार्यकाल में 28 हजार से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साढ़े चार साल के कार्यकाल में अब तक साढ़े 28 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिल चुकी है। इस तरह प्रति माह औसत 518 युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई। सख्त नकल विरोधी कानून के बाद भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता कायम होने से अब युवाओं का चयन एक से अधिक विभागों में हो रहा है। वहीं सरकार ने युवाओं को स्किल डेवलमेंपमेंट के जरिए विदेश में तक रोजगार देने की व्यवस्था की। धामी सरकार के कार्यकाल में युवा वर्ग सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा है। 04 जुलाई 2021 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद, धामी सरकार ने युवाओं को रोजगार और स्किल प्रदान करने पर विशेष तौर पर फोकस किया। पहले और दूसरे कार्यकाल को मिलाकर अब मुख्यमंत्री का कार्यकाल 54 महीने का हो चुका है। इस दौरान लोक सेवा आयोग, उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, चिकित्सा सेवा चयन आयोग के जरिए साढ़े 28 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में स्थायी रोजगार प्रदान किया गया। यानि प्रति माह 518 युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई। अगले एक साल में भी विभिन्न आयोगों के जरिए, रिकॉर्ड संख्या में भर्तियां सम्पन्न की जाएंगी। इस तरह यह आंकड़ा बढ़ना तय है। पारदर्शिता कायम होने से बढ़े मौके: सरकारी भर्तियों में सक्रिय नकल माफिया के कुचक्र को तोड़ने के लिए पुष्कर सिंह धामी सरकार ने फरवरी 2023 से उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय), कानून लागू कर प्रदेश और देश को एक मॉडल नकल विरोधी कानून दिया। इसके बाद से उत्तराखंड में भर्ती परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से समय पर बिना बाधा के सम्पन्न हो रही हैं। पहले भर्तियों में औसतन दो से तीन साल का समय लग रहा था, अब औसतन एक साल में ही भर्ती प्रक्रिया पूरी हो जा रही है। साथ ही प्रतिभाशाली युवा एक से अधिक परीक्षा में चयनित हो रहे हैं।

कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ-गांव बचाओ रैली निकालकर किया प्रदर्शन

नई टिहरी संवाददाता. मनरेगा बचाओ-गांव बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस ने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट परिसर में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर सांकेतिक धरना दिया। उन्होंने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर मनरेगा योजना को बहाल करने की मांग उठाई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष मुरारीलाल खंडवाल और प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी के नेतृत्व में हनुमान चौक से विधि विहार होते हुए कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। विधायक नेगी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब लोगों के लिए मनरेगा रोजगार गारंटी योजना शुरू की थी लेकिन भाजपा सरकार ने उसे बदलकर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार योजना में तब्दील कर भगवान राम के नाम से जोड़कर लोगों को गुमराह करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा में किसी वजह से जब श्रमिकों को रोजगार नहीं मिलता था,उन्हें रोजगार भत्ता दिए जाने का प्रावधान था। सरकार ने उसे भी खत्म कर दिया है। जिससे अकुशल श्रमिकों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। जिलाध्यक्ष खंडवाल ने कहा कि कांग्रेस गत एक माह से मनरेगा योजना बदलने का विरोध कर रही है जब तक पुन: मनरेगा योजना की बहाली नहीं की जाती है। कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा। कांग्रेसियों ने डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर वीबीजीराम योजना को मनरेगा में बदलने की गुहार लगाई। इस मौके पर जिला पूर्व जिलाध्यक्ष शांति प्रसाद भट्ट, राकेश राणा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला, देवेंद्र नौडियाल, प्रदीप रमोला, दर्शनी रावत मौजूद थे।

दुगड्डा-बंगशील सड़क पर सफर करना बना जोखिमभरा

नई टिहरी संवाददाता. जौनपुर विकासखंड का दुगड्डाखबंगशील मोटर मार्ग जर्जर और खस्ताहाल बना है। मरम्मत के अभाव में सड़क पर जगह-जगह गडढे बन गए। खस्ताहाल सड़क पर आवागमन करने पर ग्रामीणों के साथ-साथ पर्यटकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग देवलसारी और नागटिब्बा को जोड़ता है। दुगड्डा से बंगशील तक पांच किमी लंबी यह सड़क खस्ताहाल बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से मरम्मत नहीं होने के कारण सड़क पूरी तरह टूट चुकी है। गड्ढों में तब्दील मार्ग पर वाहन हिचकोले खाते हुए चल रहे हैं। धूल उड़ने से आगे-पीछे चलने वाले वाहन तक साफ नजर नहीं आते जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। बारिश होने पर गडढ़ों में जलभराव हो जाता है। वाहनों का आवागमन होते ही राहगीरों पर कीचड़ गिर जाता है। स्थानीय निवासी धनबीर नेगी का कहना है कि यह मार्ग पर्यटन और स्थानीय लोगों की जरूरतों से जुड़ा है। इसके बावजूद वर्षों से सड़क की अनदेखी की जा रही है। पूर्व जेस्ट प्रमुख महिपाल सिंह रावत, अमित बडियारी, प्रवीण असवाल का कहना है कि यदि शीघ्र सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो क्षेत्र के लोग आंदोलन शुरू करने को बाध्य होगे। पूर्व प्रधान लाखी सिंह परमार, विक्रम सिंह परमार, प्रेम सिंह राणा ने भी शासन-प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से तत्काल समस्या का संज्ञान लेने की मांग की। उनका कहना है कि सड़क की बदहाली से वाहन चालकों को रोजाना नुकसान उठाना पड़ रहा है। दुगड्डा-बंगशील मोटर मार्ग के नवीनीकरण का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। इस वित्तीय वर्ष में धनराशि की स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। स्वीकृति मिलते ही सड़क पर मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। -राजेंद्र टम्टा, ईई, लोनिवि थत्यूड़

सांसद खेल महोत्सव में बॉबी ने जीता स्वर्ण पदक

श्रीनगर गढ़वाल संवाददाता. केंद्रीय विद्यालय एसएसबी श्रीनगर के उभरते हुए शॉटपुट खिलाड़ी बॉबी ने सांसद खेल महोत्सव में अंडर-19 बालक वर्ग की गोला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। अब बॉबी 12 से 15 फरवरी तक महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में होने वाली राज्यस्तरीय खेल महाकुंभ प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इससे पूर्व भी बॉबी केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) की विभिन्न स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर चुके हैं। उन्होंने संभागीय स्तर की गोला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया था। बॉबी ने सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवारजनों, शिक्षकों तथा विशेष रूप से विद्यालय की प्राचार्या कीर्ति सक्सेना को दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों से मिले निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग से उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है।

भालू ने महिला पर किया हमला, हालत गंभीर, एयर एंबुलेंस से हायर सेंटर रेफर

पौड़ी संवाददाता. पौड़ी में जंगली जानवरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। बुधवार को भी पाबौ विकासखंड के खंडुली गांव में भालू ने जंगल में चारा लेने गई एक महिला पर अचानक हमला कर दिया। महिला को 108 एंबुलेंस सेवा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने महिला को प्राथमिक उपचार दिया। चिकित्सकों ने महिला की स्थिति को गंभीर बताते हुए उसे हायर सेंटर रेफर किया है। जानकारी के अनुसार, घटना बुधवार सुबह लगभग 11:30 बजे की बताई जा रही है।

गहड़ गांव में नर्सिंग कॉलेज खोलने के लिए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू

श्रीनगर गढ़वाल संवाददाता. मेडिकल कॉलेज के प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नगर निगम क्षेत्र श्रीनगर के अंतर्गत आने वाले गहड़ गांव में नर्सिंग कॉलेज को खोला जाना प्रस्तावित है। इसके लिए लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। पूर्व में गहड़ गांव में नर्सिंग कॉलेज और भरसार विश्वविद्यालय के अंतर्गत पशु चिकित्सा महाविद्यालय खोले जाने की योजना थी लेकिन यह योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। वर्ष 2012 से क्षेत्र के लोग यहां नर्सिंग कॉलेज खोले जाने की बाट जोह रहे हैं। अब यहां पर मेडिकल कॉलेज श्रीनगर का नर्सिंग खोले जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज में बीएससी नर्सिंग एवं एमएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाना है। स्थानीय राजेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि नर्सिंग कॉलेज व पशु चिकित्सा महाविद्यालय के लिए करीब 2200 नाली (नापखेत सहित सरकारी) जमीन चिह्नित की गई है। इसमें से भरसार कृषि विवि के नाम दर्ज भूमि को अब नर्सिंग कॉलेज के नाम हस्तांतरित करने की प्रक्रिया चल रही है।

सिडकुल में रियल एस्टेट कार्यालय से चांदी की मूर्तियां चोरी, चार आरोपी रंगेहाथ दबोचे

हरिद्वार संवाददाता. सिडकुल थाना क्षेत्र के नवोदय नगर में दिनदहाड़े चोरी की वारदात सामने आई है। गंगोडिया रियल्टी के कार्यालय से चांदी की दो मूर्तियां चोरी कर ले जा रहे चार युवकों को कार्यालय संचालक और उनके साथियों ने मौके पर ही पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे की है। गंगोडिया रियल्टी के संचालक अजय पाल सिंह ने बताया कि वह कार्यालय में मौजूद थे। चार युवक कार्यालय के अंदर घुसे और चांदी की दो मूर्तियां चोरी कर बाहर निकलने लगे। शक होने पर कार्यालय कर्मियों ने उन्हें रोक लिया और पकड़ने का प्रयास किया। आरोपियों में शामिल अरुण भागने की कोशिश करने लगा। दौड़ते समय वह पत्थर से टकरा गया। इससे उसकी नाक में चोट आ गई। इसके बाद चारों को काबू कर लिया गया। पकड़े गए युवकों की पहचान अरुण पुत्र गौतम, प्रियांशु राजपूत पुत्र प्रमोद, शिवम पुत्र श्याम और विजय पुत्र सुरेश के रूप में हुई है। सभी आरोपी नवोदय नगर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलने पर सिडकुल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। चारों आरोपियों को चोरी की गई चांदी की मूर्तियों सहित थाने ले आई। कार्यालय संचालक अजय पाल सिंह की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बीमार बच्चों के सैंपल जांच के लिए भेजे लखनऊ

चमोली संवाददाता. मठकोट में बीमार बच्चों की बीमारी का कारण जानने के लिए लिए गए खून के नमूनों की जांच लखनऊ प्रयोगशाला से होगी। बीते सोमवार को यहां एहतियातन के तौर पर 23 बच्चों के खून के नमूने लिए गए थे। जनवरी अंतिम सप्ताह में गांव में करीब 40 बच्चे बुखार से पीड़ित थे। स्वास्थ्य विभाग ने यहां शिविर लगाकर उनकी जांच की। अब बीते सोमवार को बच्चों के खून के सैंपल विभाग ने जांच के लिए लखनऊ प्रयोगशाला भेजे हैं। सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता ने बताया कि सैंपल को यहां से देहरादून और देहरादून से लखनऊ प्रयोगशाला भेजा गया है। जल्द ही जांच रिपोर्ट आ जाएगी।

शौचालय के पास उगी घास, फैली गंदगी

चमोली संवाददाता. नगर पालिका क्षेत्र सिमली में विगत पांच वर्ष पूर्व लोगों की सुविधाओं के लिए लाखों रुपये की लागत से निर्मित हाइटेक शौचालय के आसपास उगी घास और वहां फैली गंदगी से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जनता की मांग पर औद्योगिक परिक्षेत्र सिमली के इंडेन गैस कार्यालय के समीप हाईटेक शौचालय का निर्माण किया गया था लेकिन पालिका-प्रशासन की लापरवाही से सफाई व्यवस्था और समुचित रख-रखाव नहीं होने से औद्योगिक परिक्षेत्र और इंडेन गैस कार्यालय में आने वाले लोगों, विभागीय कर्मियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रविंद्र खंडूड़ी, जयदीप गैरोला, अजय डिमरी ने पालिका-प्रशासन से सफाई व्यवस्था की मांग की। सभासद मनोज पुंडीर ने बताया कि जल्द विभागीय कर्मियों को निर्देशित कर सिमली के शौचालय की सफाई व्यवस्थाएं दुरुस्त कर दी जाएंगी।

सड़क कटिंग तो हुई डामर नहीं बिछाया

चमोली संवाददाता. वृद्ध बदरी मंदिर को बदरीनाथ हाईवे से जोड़ने वाली सड़क बजट के अभाव में अधूरी पड़ी है। सड़क कटिंग तो कर दी गई लेकिन डामरीकरण, सुरक्षा दीवार व पार्किंग का कार्य नहीं हो पाया। पंच बदरी में से एक वृद्ध बदरी को बदरीनाथ हाईवे से जोड़ने के लिए वर्ष 2023 में जिला योजना 20 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। करीब 350 मीटर लंबी इस सड़क पर लोनिवि ने सड़क कटिंग कर दी। बजट की कमी के कारण न तो सड़क का डामरीकरण किया गया न ही सुरक्षा दीवार और पार्किंग बनाई गई। मंदिर के पुजारी लक्ष्मी प्रसाद त्रिपाठी का कहना है कि यहां दक्षिण भारत सहित देश के विभिन्न जगहों से श्रद्धालु पहुंचते हैं लेकिन अधूरी सड़क के कारण उन्हें खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। बुजुर्ग श्रद्धालुओं को दिक्कतें झेलनी पड़ती हैंवहीं लोनिवि के कनिष्ठ अभियंता प्रेम पंत ने बताया कि सड़क कटिंग की गई है। शेष कार्यों के लिए करीब 30 लाख रुपये की जरूरत है। इसके लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है।

बस चालक की लापरवाही से तीन बच्चों के सिर से उठा मां का साया, परिवार पर टूट पड़ा दुखों का पहाड़

चमोली संवाददाता. मंगलवार दोपहर दो बजे कोठियालसैंण निवासी मंजू देवी को क्राइस्ट एकेडमी की बस ने कुचल दिया। वह अपने काम से गोपेश्वर की तरफ आ रही थी। बस चालक विद्यालय की छुट्टी होने पर बच्चों को लेकर गोपेश्वर की तरफ जा रहा था। पोखरी बैंड के पास चालक ने आगे चल रही मंजू की स्कूटी को ओवरटेक करने में टक्कर मार दी। जिसमें उनकी मौत हो गई। उनके तीन बच्चे हैं, सबसे बड़ी प्रिया 11 साल, कनक नौ साल और सबसे छोटा बेटा आर्यन पांच साल का है। दुर्घटना से आक्रोशित परिजन व स्थानीय लोग गोपेश्वर थाने पहुंचे। विद्यालय के मैनेजर को भी थाने बुलाया गया। काफी देर तक चली वार्ता के बाद तय हुआ कि विद्यालय तीनों बच्चों को 12वीं तक निशुल्क पढ़ाई करवाएगा। इस दौरान ईराणी के पूर्व प्रधान मोहन सिंह नेगी, सभासद सूर्य प्रकाश पुरोहित, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष गजेंद्र रावत, पूर्व जिला पंचायत सदस्य योगेंद्र सेमवाल, योगंबर सिंह आदि मौजूद रहे। पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा : गोपेश्वर थानाध्यक्ष नरेश राठौड़ ने बताया कि परिजनों व विद्यालय प्रबंधन के बीच समझौता हुआ है, जिसमें विद्यालय तीनों बच्चों को 12वीं तक पढ़ाएगा। परिजनों की तहरीर पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बस को पुलिस ने कब्जे में लिया है, चालक भी हिरासत में है।

चालक-परिचालक को पुलिस ने किया सम्मानित

रुद्रप्रयाग संवाददाता.जागरूक नागरिक होने के नाते दो बालिकाओं को सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाने पर बस चालक उपेंद्र थपलियाल और परिचालक ऋतुराज सिंह को पुलिस ने सम्मानित किया। कुछ दिन पूर्व रुद्रप्रयाग जिले की दो बालिकाएं बिना बताए घर से कहीं चली गई थीं। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने बालिकाओं का विवरण सीमावर्ती जनपदों और थाना-चौकियों को प्रसारित किया। उसी दौरान बस चालक उपेंद्र थपलियाल निवासी मयाली, रुद्रप्रयाग और परिचालक ऋतुराज सिंह निवासी मातली उत्तरकाशी ने देखा कि उनकी बस में दो बालिकाएं अकेली बैठी हैं। उनके पास न तो टिकट के पैसे थे और न ही कोई अभिभावक। संदेह होने पर उन्होंने बालिकाओं को सुरक्षित पुलिस चौकी कलियासौड़ (कोतवाली श्रीनगर, जनपद पौड़ी गढ़वाल के सुपुर्द कर दिया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

हल्द्वानी लालकुआं में स्टोन क्रशर और खनिज ढुलाई पर सख्ती, बिना ढंके ट्रकों पर चलेगा चालान!

हल्द्वानी संवाददाता. नैनीताल जिले में संचालित स्टोन क्रशरों एवं उनसे जुड़े खनिज परिवहन वाहनों पर जिला प्रशासन ने सख्तरुख अपनाया है।

बिना ढंके खनिज ढुलाई, सुरक्षा उपकरणों की कमी और धूल प्रदूषण से जन-स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए जिलाधिकारी नैनीताल ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं।जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब जिले में सभी डंपर, ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली से खनिज सामग्री केवल तिरपाल से पूरी तरह ढंककर ही परिवहन की जाएगी। खुले में खनिज ढुलाई पाए जाने पर वाहन चालक एवं स्वामी के खिलाफ चालान, वाहन सीज समेत वैध ानिक कार्रवाई की जाएगी।स्टोन क्रशर परिसरों एवं संपर्क मार्गों पर नियमित जल छिड़काव, वाहनों के लिए टायर धुलाई व्यवस्था और धूल नियंत्रण के प्रभावी उपाय अनिवार्य किए गए हैं। इसके साथ ही खनिज परिवहन में लगे सभी वाहनों में फ्रंट व रियर रिफ्लेक्टर, हेडलाइट, ब्रेक लाइट, इंडिकेटर और मानक रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट अनिवार्य रूप से कार्यशील अवस्था में होना जरूरी होगा।आदेश के अनुपालन को सुनिश्चित कराने के लिए संयुक्त प्रवर्तन टीम गठित की गई है, जिसमें संभागीय परिवहन अधिकारी हल्द्वानी, जिला खान अधिकारी नैनीताल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा नामित क्षेत्राधि कारी तथा उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शामिल हैं। टीम नियमित संयुक्त चेकिंग अभियान चलाकर स्टो क्रशर परिसरों एवं खनिज परिवहन मार्गों का निरीक्षण करेगी।जिलाधिकारी ने सभी स्टोन क्रशर संचालकों को आदेश की प्रति उपलब्ध कराने तथा 15 दिन के भीतर प्रथम अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि नियमों की अनदेखी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अंतर राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम समापन समारोह

देहरादून संवाददाता। मेरा युवा भारत देहरादून (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) के तत्वावधान में बुधवार को एस सी आर टी ननूर खेड़ा के परागण में अंतर राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि विधायक उमेश शर्मा काऊ और एसी आर ई टी सहायक निदेशक प्रमेन्द्र बिजलवान उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को उपनिदेशक मोनिका नांदल द्वारा पुष्प कुछ सॉल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। विधायक उमेश शर्मा ने देव भूमि उत्तराखंड में पंजाब से आए प्रतिभागियों को अपना

आशिरवचन दिया और सभी को आज की भोजन व्यवस्था, मिठाई व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया अपने वक्तव्य में कहा कि यहां कार्यक्रम एक दूसरे की संस्कृति एवं सभ्यता का आदान-प्रदान के लिए मेरा युवा भारत द्वारा पूरे देश में संचालित किए जा रहे हैं इस कार्यक्रम की थीम एक भारत श्रेष्ठ भारत संस्कृति संवाद पर आधारित है कार्यक्रम के अन्त में मेरा युवा भारत देहरादून की उपनिदेशक मोनिका नांदल ने सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित मुख्य अतिथियो का धन्यवाद ज्ञापन किया कार्यक्रम में मेरा युवा भारत देहरादून से प्रवेश सिंह बजवाल ,सुमन बिष्ट,सुभाष ओर विक्की वर्मा आदि मौजूद रहे।

भाई-भाई के रिश्ते को शर्मसार कर दिया

हल्द्वानी संवाददाता.हल्द्वानी कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसने भाई-भाई के रिश्ते को शर्मसार कर दिया। पारिवारिक विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपने ही छोटे भाई की बेरहमी से स्टील के लोटे से मुंह और सिर पर वार कर पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है

पुलिस के अनुसार, राम मंदिर बगीचा बरेली रोड निवासी संदीप जायसवाल पुत्र स्व. लल्लन प्रसाद जायसवाल मंगलवार रात करीब 11 बजे घर पहुंचा। आरोप है कि घर आते ही उसने अपने छोटे भाई 42 वर्षीय सोनू जायसवाल के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। संदीप ने पास में पड़ा स्टील का लौटा उठाकर सोनू के सिर और चेहरे पर कई बार वार किए और उसे तख्त पर पटक पटक कर मार डाला.

प्रदेश प्रवक्ता कांग्रेस नीरज तिवारी को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन का कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया

हल्द्वानी संवाददाता./अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं प्रदेश प्रवक्ता कांग्रेस नीरज तिवारी को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन का कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है।यह मनोनयन संगठन की संरचनात्मक मजबूती तथा पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से किया गया है। पार्टी नेतृत्व को विश्वास है कि तिवारी अपने अनुभव और संगठनात्मक क्षमता के बल पर इस दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

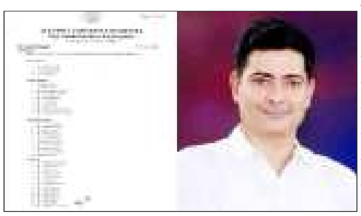

शाइनिंग स्टार विद्यालय को राष्ट्रीय सम्मान छात्रों ने दिखाया पर्यावरण संरक्षण का रास्ता

रामनगर संवाददाता. भगोतपुर तड़ियाल स्थित शाइनिंग स्टार विद्यालय ने शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक और उपलब्धि अपने नाम की है। विद्यालय को विप्रो अर्थियन राष्ट्रीय अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि को लेकर विद्यालय परिसर में मीडिया से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।विद्यालय के प्रबंधक देवेंद्र सिंह नेगी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पुरस्कार विद्यालय को सतत विकास आधारित शिक्षा पर्यावरणीय जागरूकता और नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों के लिए प्रदान किया गया है। उन्होंने इसे विद्यालय परिवार और क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। अवॉर्ड प्राप्त करने वाली परियोजना का नेतृत्व कर रहीं शिक्षिका सरिता नेगी ने बताया कि इस सफलता के पीछे छात्रों की निरंतर मेहनत और टीम भावना रही। परियोजना में शामिल छात्र छात्राओं राशि तिवारी, जागृत तिवारी,

अंशिका नेगी, अंकिता राजवार ने कचरा प्रबंधन को लेकर व्यावहारिक मॉडल तैयार किए। परियोजना के अंतर्गत कचरा पृथक्करण, सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प, कपड़े व कागज के बैग का प्रयोग तथा कम्पोस्टिंग जैसे उपायों को स्कूल और आसपास के क्षेत्र में लागू करने पर जोर दिया गया। छात्रों का मानना है कि छोटे प्रयास भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में संजय रिखाड़ी के निर्देशन में पर्यावरण आधारित नाटक "द लॉस्ट वर्ल्ड हमारे समय का प्रतिबिंब" का प्रभावशाली मंचन किया गया। नाटक में नैतिक, प्रियांशु, भौमिक, विकास, कृतिका, पूर्वी, पूजा, आयुषी, प्रतिभा और अक्षिता ने कलाकारों के रूप में दमदार प्रस्तुति दी। नाटक के सहायक निर्देशन की जिम्मेदारी अमित तिवारी ने निभाई। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डी. एस. नेगी, प्रधानाध्यापिका तुलसी सिंह, घनश्याम जोशी, राजेंद्र सिंह, देवेंद्र रावत, आनंद रावत सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना भतरौजखान का किया अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

अल्मोड़ा संवाददाता. अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह ने बुधवार को थाना भतरौजखान का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने की कार्यप्रणाली, अभिलेखों और व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, मालखाना, कर्मचारी बैरक और भोजनालय का निरीक्षण किया। इस दौरान थाने में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई गई। उन्होंने थाने के समस्त अभिलेखों का गहन परीक्षण कर प्रविष्टियों की जांच की और कार्यालय स्टाफ को अभिलेखों को अद्यतन एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। आवासीय भवनों के निरीक्षण के दौरान क्षतिग्रस्त दीवारों और खिड़कियों की समय पर मरम्मत कराने के निर्देश थानाध्यक्ष को दिए गए। सीसीटीएनएस कार्यो की समीक्षा करते हुए उन्होंने नियुक्त कार्मिकों को ऑनलाइन जीडी और आईआईएफ फार्म समय से फीड करने तथा सभी पोर्टलों की नियमित निगरानी कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान लंबित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना पत्रों, वारंटों की तामीली और निरोधात्मक कार्रवाइयों की भी समीक्षा की गई।

एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग का उद्घाटन मुकाबला अचानक स्थगित

हल्द्वानी संवाददाता. गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होने जा रही एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग का उद्घाटन मुकाबला अचानक स्थगित कर दिया गया। मैच रद्द होने की सूचना मिलते ही स्टेडियम पहुंचे दर्शकों में नाराजगी फैल गई और मुख्य द्वार पर देर शाम तक हंगामा होता रहा।लीग का पहला मुकाबला उत्तराखण्ड सोल्जर्स और दिल्ली नाइट्स के बीच खेला जाना था। उद्घाटन अवसर पर लोक कलाकार राकेश खनवाल, कैलाश कुमार, रागनी ग्रुप, हर्षिताकोहली और अंकित कुमार की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी प्रस्तावित थीं। प्रतियोगिता में मसूरी किंग्स, यूपी वारियर्स, हल्द्वानी टाइगर्स, दिल्ली नाइट्स, उत्तराखण्ड सोल्जर्स और वाराणसी वाइपर्स सहित कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं।आयोजक विकास ढाका ने बताया कि दिल्ली से हल्द्वानी आते समय उनके वरिष्ठ साझेदार प्रमोद सिंह का अचानक हृदयगति रुकने से निधन हो गया। इस दुखद घटना के चलते शोक स्वरूप लीग को स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

दन्या पुलिस ने अवैध शराब के साथ युवक को किया गिरफ्तार

अल्मोड़ा संवाददाता. थाना दन्या पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बड़ी मात्रा में अवैध देशी शराब बरामद की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को थानाध्यक्ष दन्या दिनेश नाथ महंत के नेतृत्व में पुलिस टीम ध ौलादेवी बाजार क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान ग्राम काफली, दन्या निवासी 23 वर्षीय पंकज गैड़ा पुत्र उमेद सिंह गैड़ा को 88 पाउच अवैध देशी मसालेदार माल्टा मार्का शराब के साथ पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ थाना दन्या में आबकारी अधि नियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की गई है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया

हल्द्वानी संवाददाता. /मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पत्रकारों से 2026- 27 के केंद्रीय बजट को संपूर्ण भारत के लिए उपयोगी बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2026-27 का यह बजट देश के सभी वर्गों की आशाओं,आकांक्षाओं ,आत्मनिर्भरता का बजट है। यह बजट देश की प्रगति व विकसित भारत के सपने को साकार करने की ओर सकारात्मक बजट है। इसमें श्रमिकों,महिलाओं, युवाओं,उद्यमियों , कृषि , और किसानों के लिए राहत और सम्मान का समावेश किया गया है। जिससे आम नागरिकों के जीवन में उत्साह आएगा।इस बजट में 12 लाख करोड़ रुपएका पूंजीगत व्यय करने का प्रावधान है। जिससे सात नए कारीडोर, निवेश,उद्योग और क्षेत्रीय संतुलन को मजबूती मिलेगी। किसान और कृषि को समृद्ध बनाने हेतु बजट में ग्रामीण क्षेत्रों को केंद्र बनाकर प्रस्तुत किया गया है।नारी शसक्तीकरण को इस बजट की आत्मा बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनपद में महिला छात्रावास बनाए जाएंगे।सीमांत और पर्वतीय राज्यों के लिए टूरिज्म,ट्रैकिंग, होमस्टे, होटल व्यवसायियों के लिए विशेष प्रावधान व सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं ,उद्यमियों को लाभ मिलेगा और आत्मनिर्भर का उद्देश्य पूरा होगा।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट,कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत,प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, प्रदेश मीडिया प्रभारी सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

राज्य रेडक्रॉस कार्यालय सील होने पर अल्मोड़ा रेडक्रॉस ने भेजा ज्ञापन

अल्मोड़ा संवाददाता. भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तराखंड राज्य शाखा कार्यालय को सील किए जाने से प्रदेशभर में रेडक्रॉस की मानवीय गतिविधियां ठप होने का आरोप लगाते हुए जिला शाखा अल्मोड़ा ने विरोध दर्ज कराया है। इस संबंध में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी जिला शाखा अल्मोड़ा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने जिलाधिकारी अल्मोड़ा के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर राज्य शाखा कार्यालय को तत्काल खोले जाने और वैधानिक रूप से कार्य बहाल करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि रेडक्रॉस सोसाइटी अधिनियम 1920 और शाखा समिति नियमख़2017 के प्रावधानों के तहत दिसंबर 2025 में उत्तराखंड राज्य शाखा समिति का विधिवत गठन किया गया था। इसके बाद राज्य शाखा कार्यालय से प्रशासनिक, राहत और सेवा संबंधी कार्य नियमित रूप से संचालित किए जा रहे थे। आरोप लगाया गया कि 22 जनवरी 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 164 और 165 के तहत राज्य शाखा कार्यालय को अचानक सील कर दिया गया, जिससे न केवल राज्य स्तर पर बल्कि समस्त जिला शाखाओं का कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो गया। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि राज्यपाल, राज्य रेडक्रॉस शाखा के अध्यक्ष होने के नाते हस्तक्षेप कर उत्तराखंड राज्य शाखा कार्यालय को यथावत रूप से खुलवाएं, ताकि वर्तमान वैधानिक राज्य कार्यकारिणी के माध्यम से रेडक्रॉस की सभी गतिविधियों का संचालन दोबारा शुरू हो सके।

विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम और पोस्टर प्रस्तुति आयोजित

अल्मोड़ा संवाददाता. विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर बुधवार को सोबन सिंह जीना राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, अल्मोड़ा के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की ओर से जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर एकदिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। कार्यक्रमों का उद्देश्य कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करना, इसके कारणों, लक्षणों और बचाव के उपायों की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सी. पी. भैसोड़ा के संरक्षण में, विभागाध्यक्ष डॉ. मसरूफ एच. खान के मार्गदर्शन तथा सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीष भट्ट और डॉ. अंशुल ममगाई के पर्यवेक्षण में संपन्न हुए। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर मेडिकल कॉलेज परिसर में कैंसर जागरूकता को लेकर पोस्टर प्रेजेंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुष्का, इंटर्न तहूरा शम्स और समुज्ज्वल किमोठी की सहभागिता रही। पोस्टर प्रस्तुति एमबीबीएस 2024 बैच के विद्यार्थियों वंदना, शिखा, तनुज गोला, विकास गुप्ता, सुमेर, सुहानी, वेदाक्षी, स्नेहा शर्मा, श्रेया चौहान, सोमिल जोशी, वासुदेव कुमावत, तान्या जोशी, शशांक यादव और वागीशा शर्मा ने दी। इसी क्रम में ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, हवालबाग के आरएचटीसी परिसर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। यहां चिकित्सा अधिकारी डॉ. अल्फराज मोहम्मद ने कैंसर के कारणों, प्रकारों और बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में ब्लॉक मिशन प्रबंधक रहमत हुसैन, चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी मोहम्मद इकबाल, अरुण बडोनी और इंटर्न शालिनी सिंह ने भी सहभागिता की। इसके अलावा यूएचटीसी धार की तूनी की ओर से एएनएमटीसी में प्रशिक्षण ले रही छात्राओं के लिए एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कैंसर से संबंधित मूल जानकारी, इसके प्रकार, कारण, लक्षण, सावधानियां और बचाव के उपायों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर डॉ. कृतिका वर्मा, नरेश कुमार आगरी, मुकेश जोशी, दीप चंद्र और इंटर्न चांदनी कार्की उपस्थित रहे।

इंस्पायर अवार्ड मानक की दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता शुरू

अल्मोड़ा संवाददाता. इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के अंतर्गत 4 से 5 फरवरी तक दो दिवसीय जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अल्मोड़ा में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में वर्ष 2024ख़25 में चयनित 135 छात्र-छात्राओं के साथ ही वर्ष 2023ख़24 में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग नहीं कर पाए 40 छात्र-छात्राएं अपने मार्गदर्शक शिक्षकों के साथ भाग ले रहे हैं। बुधवार को कार्यक्रम का उद्घाटन नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के प्रोजेक्ट एसोसिएट सुनील भाष्कर ने किया। उन्होंने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया और कहा कि इंस्पायर अवार्ड के माध्यम से बाल वैज्ञानिकों में सोच और अन्वेषण की प्रवृत्ति विकसित हो रही है, जिससे वे नई खोजों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जिला समन्वयक इंस्पायर अवार्ड विनोद कुमार राठौर ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ-साथ पाठ्य सहगामी गतिविधियों में भागीदारी से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और व्यक्तित्व का विकास होता है। उन्होंने बताया कि विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों से प्राप्त विचारों में से पांच श्रेष्ठ विचार इंस्पायर अवार्ड मानक पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं। इसके बाद भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्तरों पर परीक्षण और मूल्यांकन के पश्चात चयनित छात्र-छात्राओं के खातों में दस हजार रुपये की धनराशि अंतरित की जाती है। इसी धनराशि से विद्यार्थी अपने विचारों को मूर्त रूप देकर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदर्शित करते हैं। जिला स्तर पर चयनित दस प्रतिशत विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद अल्मोड़ा का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के सुनील भाष्कर, प्रभाकर जोशी और पंकज जोशी द्वारा मूल्यांकन किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या विजया पंत, जिला समन्वयक प्रदीप सिंह बिष्ट, नीरज जोशी, मदन भंडारी, धीरज कुमार, मनोज जोशी, दमयंती कन्याल, भोपाल सिंह मेहता सहित मार्गदर्शक शिक्षक और अभिभावक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने राजकीय पुस्तकालय का किया निरीक्षण

अल्मोड़ा संवाददाता. जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने बुधवार को राजकीय पुस्तकालय का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों और पाठकों से पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर सीधे संवाद कर फीडबैक लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि युवाओं को बेहतर और अनुकूल अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि बीते समय में पुस्तकालय की सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है, ताकि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पुस्तकालय में वाई-फाई, हीटर, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, शौचालय और बैठने की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही विद्यार्थियों की मांग को देखते हुए पुस्तकालय के संचालन समय में भी वृद्धि की गई है। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित हुए युवाओं से भी मुलाकात की और उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने चयनित युवाओं से कहा कि वे अध्ययन को निरंतर जारी रखें और उच्च पदों के लिए भी लक्ष्य बनाकर तैयारी करें। जिलाधिकारी ने उन्हें अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और पुस्तकालय में अध्ययनरत अन्य छात्रों का भी मनोबल बढ़ाया। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि उनके अध्ययन और तैयारी के लिए प्रशासन स्तर से हरसंभव सहयोग किया जाता रहेगा।

डा. शमशेर सिंह बिष्ट की 80वीं जयंती पर उलोवा ने की विचार गोष्ठी

अल्मोड़ा संवाददाता. उत्तराखण्ड लोक वाहिनी की ओर से बुधवार को डा. शमशेर सिंह बिष्ट की 80वीं जयंती के अवसर पर समसामयिक उत्तराखंड राजनीति और राष्ट्रीय परिदृश्य पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में उत्तराखंड के पिछड़ेपन, अंकिता प्रकरण और केंद्रीय बजट को लेकर वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे। रेवती बिष्ट की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में डा. शमशेर सिंह बिष्ट को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि डा. बिष्ट ने उत्तराखंड के सामाजिक और राजनीतिक विमर्श को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गोष्ठी में अधिवक्ता जगत रौतेला ने केंद्रीय बजट में उत्तराखंड की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि राज्य का संतुलित विकास तभी संभव है, जब गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाया जाए।

सिनेमाघरों में जल्द ही भौकाल मचाने पूरी तरह तैयार मिर्जापुर: द फिल्म, मुन्ना-गुड्डू की संग छाएगी सचिव जी की दबंगई

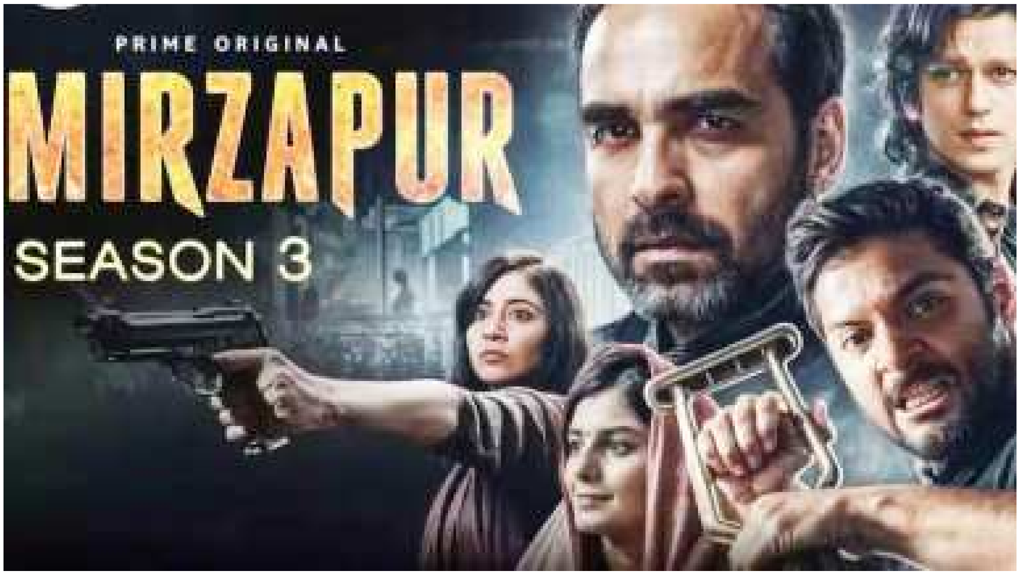

मिर्जापुर एक ऐसी वेब सीरीज जिसने ओटीटी की दुनिया में आते ही तहलका मचा दिया और देखते ही देखते एक कल्ट फेनोमेनन बन गई। गालियां, सत्ता की भूख, खून-खराबा और दमदार किरदारों के साथ इस शो ने वो कारनामा कर दिखाया, जो बहुत कम सीरीज कर पाती हैं। दर्शकों से मिले जबरदस्त प्यार और ओटीटी पर इसकी रिकॉर्डतोड़ लोकप्रियता को देखते हुए अब मेकर्स ने इसे बड़े पर्दे पर लाने का फैसला कर लिया है। जल्द ही शमिर्जापुर: द फिल्म सिनेमाघरों में भौकाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मिर्जापुर: द फिल्म का इंतजार फैंस काफी लंबे समय से कर रहे थे। वेब सीरीज के तीन सफल सीजन के बाद अब दर्शक यह जानने के लिए बेताब हैं कि ओटीटी से सिनेमाघरों तक पहुंचते हुए इस कहानी में क्या नया देखने को मिलेगा। इसी बीच फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। हाल ही में मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर यह कन्फर्म कर दिया है कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। मेकर्स के मुताबिक फिल्म का आखिरी शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और अब प्रोजेक्ट पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में पहुंच चुका है। यह अपडेट सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है।

शमिर्जापुर: द फिल्मॡ को लेकर बज का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह ऑरमैक्स सिनेमैटिक्स की मोस्ट अवेटेड हिंदी फिल्मों की लिस्ट में भी शामिल हो चुकी है। इसका साफ मतलब है कि दर्शक इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं और इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

फिलहाल मेकर्स ने फिल्म की कहानी को लेकर कोई बड़ा खुलासा नहीं किया है। हालांकि, इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म या तो सीरीज का प्रीक्वल हो सकती है या फिर उसी टाइमलाइन का एक अहम और बड़ा हिस्सा दिखा सकती है। यह भी कहा जा रहा है कि फिल्म का स्केल वेब सीरीज से कई गुना ज्यादा भव्य होगा। सत्ता की लड़ाई, खून-खराबा और मिर्जापुर की गद्दी के लिए एक नया और और भी खूनी खेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है। बड़े पर्दे पर मिर्जापुर की दुनिया को और ज्यादा रॉ, इंटेंस और सिनेमैटिक तरीके से पेश किए जाने की पूरी तैयारी है।

फिल्म में शमिर्जापुॡ की जान माने जाने वाले किरदार एक बार फिर लौट रहे हैं। पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा इस बार कुछ नए चेहरों की भी एंट्री होने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जीतेंद्र कुमार (जीतू भैया) और रवि किशन जैसे पॉपुलर स्टार्स भी फिल्म का हिस्सा होंगे, जो कहानी में नए ट्विस्ट और तड़का लगाने वाले हैं।

शमिर्जापुर: द फिल्मॡ पहले सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी और उसके बाद ही यह अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। मेकर्स का प्लान साफ है, पहले थिएटर में भौकाल और फिर ओटीटी पर दोबारा धमाका। यह फिल्म साल 2026 में रिलीज की जाएगी। फिल्म को मिर्जापुर के ओरिजिनल क्रिएटर पुनीत कृष्ण ने लिखा है, जबकि इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। गौरतलब है कि शमिर्जापुॡ का पहला सीजन 2018 में आया था, दूसरा 2020 में और तीसरा सीजन 2024 में रिलीज हुआ था। तीनों सीजन को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। अब जब शमिर्जापुॡ बड़े पर्दे पर आ रही है तो साफ है कि फैंस की निगाहें इसी पर टिकी हैं।

ओ रोमियो का नया गाना इश्क का फीवर जारी, अरिजीत सिंह ने लगाए सुर

विशाल भारद्वाज की फिल्म ओ रोमियो रिलीज के लिए तैयार है। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी अभिनीत इस फिल्म के अब तक दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें काफी पसंद भी किया गया। अब फिल्म निर्माताओं ने फिल्म का तीसरा गाना इश्क का फीवर रिलीज किया है, जिसे अरिजीत सिंह ने गाया है। जी हां! अरिजीत सिंह, जिन्होंने हाल ही में प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास की घोषणा की थी, अब एक नया गाना लेकर आए हैं। हालांकि, प्रशंसकों को अरिजीत की आवाज सुनकर खुशी तो हुई, लेकिन साथ ही वे इस बात को लेकर भी चिंतित नजर आ रहे हैं कि कहीं यह उनका आखिरी गाना तो नहीं है।ओ रोमियो के संगीतकार और निर्देशक विशाल भारद्वाज ने अरिजीत की प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था। वीडियो में विशाल और अरिजीत के साथ रेखा भारद्वाज भी नजर आ रही हैं, जबकि निर्देशक और संगीतकार इश्क का फीवर गाना गाते हुए दिखाई दे रहे हैं। और अब यह गाना रिलीज हो चुका है! ऐसे में अरिजीत सिंह के फैंस भी इमोशनल हो गए और सिंगर से अपना फैसला वापस लेने की अपील कर रहे हैं। कई ने वीडियो के कमेंट सेक्शन में कमेंट करते हुए सिंगर से वापसी की गुहार लगाते दिखे।अरिजीत सिंह और विशाल भारद्वाज ने हिंदी सिनेमा के कुछ सबसे यादगार गाने एक साथ बनाए हैं, जैसे कि फिल्म हैदर का खुल कभी तो और रंगून का ये इश्क है। उनके गाने अपनी भावनात्मक गहराई के लिए जाने जाते हैं, जिन्हें अक्सर गुलजार लिखते हैं। इस जोड़ी ने 2026 में आई फिल्म ओ रोमियो के हम तो तेरे लिए थे और इश्क का फीवर गानों में भी साथ काम किया है, जिनके रिलीज होने पर फैंस गाने पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

मेहरीन पीरजादा ने शादी की अफवाहों पर बताई सच्चाई

एक्ट्रेस मेहरीन पीरजादा ने हाल ही में शादी की झूठी खबरों का जोरदार खंडन किया है, और इन बेबुनियाद जानकारियों पर निराशा और गुस्सा जाहिर किया है। एक साफ बयान में, मेहरीन ने मीडिया से जिम्मेदारी से काम करने की अपील की और जोर देकर कहा कि वह अपनी कोई भी पर्सनल खबर खुद बताएंगी।लगभग दो सालों तक, मेहरीन ने अपनी पर्सनल जिंदगी के बारे में बार-बार उड़ रही अफवाहों के बीच चुप रहना पसंद किया। लेकिन हाल ही में एक रिपोर्ट में एक अनजान व्यक्ति को उनका पति बताया गया, जिसके बाद उन्हें सामने आकर बोलना पड़ा। उन्होंने साफ किया, मेरी किसी से शादी नहीं हुई है, और इस कहानी को पूरी तरह से झूठा और दुख पहुंचाने वाला बताया। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की और मीडिया आउटलेट्स से झूठी कहानियाँ बनाना बंद करने को कहा।मेहरीन ने ऐसी पर्सनल झूठी बातें फैलाने को गलत बताया और फैंस को भरोसा दिलाया कि सही समय आने पर वह अपनी जिंदगी के बारे में अपडेट शेयर करेंगी। उन्होंने कहा, जब मैं शादी करने का फैसला करूंगी, तो मैं खुद दुनिया को बताऊंगी। कृपया मुझ पर भरोसा करें और बिना किसी आधार के अफवाहें फैलाना बंद करें। तेलुगु सिनेमा की उभरती हुई स्टार मेहरीन ने 2016 में नानी के साथ कृष्णा गाडी वीरा प्रेमा गाधा से डेब्यू किया और तुरंत पहचान बनाई।

रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 चल रही कछुआ की चाल, तीसरे दिन हुआ इतना कारोबार

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 ने पहले दिन धीमी शुरुआत की, लेकिन इसने हार नहीं मानी। बॉक्स ऑफिस पर कछुए की चाल चलते हुए इसने तीसरे दिन सबसे ज्यादा कारोबार कर दिखाया है। बता दें, 30 जनवरी को रिलीज मर्दानी 3 के जरिए रानी ने पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में बड़े पर्दे पर दोबारा वापसी की है। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है, जबकि निर्माता यशराज फिल्म्स हैं।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मर्दानी 3 ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन (रविवार) को 7.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है जो पिछली कमाई के मुकाबले सबसे ज्यादा है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 4 करोड़ रुपये से ओपनिंग ली थी। दूसरे दिन 6.25 करोड़ कमाते हुए इसने अब तक कुल 17.50 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। हालांकि, 3 दिनों में फिल्म 20 करोड़ का आंकड़ा नहीं छू पाई है, जो थोड़ा चिंताजनक है।

मर्दानी 3 का ट्रेलर काफी दमदार था जिसे देखकर लोगों ने इसके शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें लगाई थीं। माना जा रहा था कि फिल्म पहले दिन दोहरे आंकड़ों में कमाई करेगी, लेकिन ऐसा न हो सका। वहीं दुनियाभर में, 3 दिनों के अंदर फिल्म की कमाई करीब 25.1 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मंत्री गणेश जोशी ने भगवन्तपुर में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में किया प्रतिभाग

देहरादून संवाददाता.कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज सहसपुर ब्लॉक के भगवन्तपुर में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया और शिविर में उपस्थित लाभार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। शिविर के दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कृषि विभाग के लाभार्थियों को चेक वितरित किए, कृषक समूहों को फार्म मशीनरी बैंक के अंतर्गत उपकरण प्रदान किए तथा बाल विकास विभाग के लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट एवं किशोरी किट वितरित की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की भी शपथ दिलाई। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने जनख्रजन की सरकार, जनख्र जन के द्वार प्रशासन चला गांव की ओरश कार्यक्रम के अंतर्गत आमजन की समस्याएं सुनीं। शिविर में कुल 40 शिकायतें एवं समस्याएं दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष विकासपरक एवं योजनाओं से संबंधित शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध प्रस्ताव तैयार कर समाधान के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री जोशी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए मुख्यमंत्री द्वारा शिविरों की अवधि 15 दिन और बढ़ाई गई है, जो सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में आयोजित इन विशेष शिविरों से अब तक 6 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं। इसे उन्होंने सरकार की एक अनूठी और जनकल्याणकारी पहल बताया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। केंद्रीय बजट 2026 में लखपति दीदियों को 'शी मार्ट' से जोड़ने का प्रावधान किया गया है, जिससे महिलाओं की आजीविका संवर्धन को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में महिलाओं, किसानों और सैनिकों सहित हर वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है, जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय वित्त मंत्री का आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि वीबीजी रामजी योजना, मनरेगा से एक कदम आगे बढ़कर ग्रामीण भारत के सर्वांगीण

विकास की दिशा में भारत सरकार की एक सशक्त पहल है। उन्होंने बताया कि इस योजना के संचालन हेतु चालू वित्तीय वर्ष में भारत सरकार द्वारा छ95,652.31 करोड़ का बजटीय प्रावधान किया गया है। योजना के अंतर्गत रोजगार के दिवस 100 से बढ़ाकर 125 कर दिए गए हैं तथा समय पर मजदूरी भुगतान के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। इस अवसर पर एसडीम मसूरी राहुल आनंद, जिला कार्यक्रम अधिकारी जितेंद्र कुमार, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, मंडल प्रभारी ज्योति कोटिया, लक्ष्मण सिंह रावत, किरण, ग्राम प्रधान रेनू शर्मा, भारती जवाड़ी, सुनील छेत्री, अजय पुंडीर सहित संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वच्छता अभियान को नई पहचान, नगर निगम ने किन्नर को बनाया ब्रांड एंबेसडर

हरिद्वार संवाददाता. नगर निगम ने स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सराहनीय और अलग पहल करते हुए किन्नर समाज से जुड़ी एक प्रतिनिधि को स्वच्छता अभियान का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। नगर निगम का मानना है कि इस निर्णय से समाज के हर वर्ग तक स्वच्छता का संदेश प्रभावी तरीके से पहुंच सकेगा। नगर आयुक्त नंदन कुमार ने किन्नर सोनिया को नगर निगम का ब्रांड एंबेसडर बनाने का पत्र बुधवार को अपने कार्यालय में सौंपा। नगर निगम अधिकारियों का कहना है राज्य में इस प्रकार नगर निगम ने पहली बार किसी किन्नर को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। नगर आयुक्त नंदन कुमार ने बताया कि ब्रांड एंबेसडर विभिन्न मोहल्लों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। इसके अंतर्गत साफ-सफाई, कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक मुक्त अभियान तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने जैसे विषयों पर जनसंवाद किया जाएगा। नगर निगम द्वारा उन्हें सहयोग, प्रचार सामग्री एवं अभियान से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नगर आयुक्त ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है। किन्नर समाज को इस मुहिम से जोड़कर हम समावेशी सोच को आगे बढ़ा रहे हैं। हमें विश्वास है कि यह पहल लोगों को प्रेरित करेगी और स्वच्छ हरिद्वार के लक्ष्य को साकार करने में मददगार साबित होगी।

संक्षिप्त समाचार...

सफाई कर्मियों से अभद्रता के आरोपी पर एससी एसटी का केस

देहरादून संवाददाता. पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र में सफाई कार्य कर रहे कर्मचारियों के साथ बदसलूकी और बीच-बचाव करने आए पार्षद को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सफाई नायक की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में सफाई नायक सोमप्रकाश ने बताया कि सरोज, लाल सिंह और अन्य कर्मचारी क्षेत्र में सफाई कार्य में जुटे थे। इसी बीच आलोक अरोरा नामक युवक ने वहां पहुंचकर महिला कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया। आरोप है कि युवक ने बुजुर्ग महिला कर्मचारी के प्रति जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया और काम कराने को लेकर पैसों का धौंस दिखाया। जब कर्मियों ने विरोध किया तो आरोपी ने उनके साथ हाथापाई की। हंगामे की सूचना पर जब स्थानीय पार्षद मौके पर पहुंचे तो आरोपी ने उनके साथ भी सरेआम गाली-गलौज की। पीड़ित पक्ष का कहना है कि आरोपी ने पार्षद को जान से मारने की धमकी भी दी। इंस्पेक्टर पटेलनगर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

वेतन नहीं मिलने पर रोडवेज कर्मचारियों ने वर्कशॉप में एजीएम को घेरा

देहरादून संवाददाता. उत्तराखंड परिवहन निगम (रोडवेज) में दो महीने से वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों में आक्रोश है। बुधवार को रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद से जुड़े कर्मचारियों ने हिल डिपो कार्यशाला सहायक महाप्रबंधक का घेराव किया। कर्मचारियों ने जल्द वेतन नहीं मिलने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। कार्यशाला कर्मियों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि बीते दो महीनों से वेतन न मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और वे मानसिक तनाव की स्थिति में हैं। कर्मचारियों का कहना है कि बार-बार आश्वासन के बावजूद उनके खाते में वेतन नहीं पहुंचा है, जिससे घर चलाना मुश्किल हो रहा है।

डाकपत्थर की जमीन हस्तांतरण के विरोध में उतरे ग्राम पंचायत सदस्य

विकासनगर संवाददाता. डाकपत्थर परियोजना क्षेत्र की जमीन को यूआईआईडीबी को दिए जाने के विरोध में बुधवार को ग्राम पंचायत भी विरोध में उतर आ गई है। ग्राम पंचायत सदस्यों ने यूआईआईडीबी के प्रबंध निदेशक के समक्ष अपनी आपत्ति रखते हुए कहा कि भूमि हस्तांतरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रबंध निदेशक को ज्ञापन सौंपने पहुंचे ग्राम पंचायत सदस्यों का नेतृत्व कर रहे इंटक के जिलाध्यक्ष तनवीर आलम ने बताया कि परियोजना क्षेत्र की जमीन हस्तांतरित किए जाने से कई स्थानीय लोग भी भूमिहीन हो जाएंगे। साथ ही पंचायत में चल रहे सार्वजनिक संस्थान भी बंद हो जाएंगे।

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में सभी विद्यालयों की भागीदारी अनिवार्यः डॉ. धन सिंह रावत

-सूबे के 7 लाख से अधिक छात्रों ने किया कार्यक्रम हेतु पंजीकरण
-कहा, शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी देशभर के छात्रों से करेंगे सीधा संवाद
-विभागीय अधिकारियों को निर्देश, विद्यालयों में कार्यक्रम का हो सीधा प्रसारण

देहरादून संवाददाता. सूबे के प्रत्येक विद्यालय 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस विशेष कार्यक्रम का सभी विद्यालयों में डिजिटल माध्यम से प्रसारण किया जायेगा। जहां पर कक्षा-6 से आगे की छात्र-छात्राएं, अभिभावक व शिक्षक प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों को समुचित निर्देश दे दिये गये हैं। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रदेशभर के विद्यालयों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विशेष पहल 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का वृहद स्तर पर आयोजन किया जायेगा। इस विशेष कार्यक्रम में सभी विद्यालयों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 6 फरवरी को प्रातः 10:00 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के 9वें संस्करण के माध्यम से देशभर के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और शिक्षकों से सीधे संवाद करेंगे। इस विशेष कार्यक्रम के जरिये प्रधानमंत्री छात्रों को न सिर्फ तनाव मुक्त परीक्षाओं का मंत्र देंगे बल्कि उन्हें चुनौतियों से पार पाने, संतुलन बनाए रखने और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए व्यावहारिक सुझाव भी देंगे। डॉ. रावत ने बताया कि 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के इस संस्करण का प्रसारण प्रदेश के सभी विद्यालयों में अनिवार्य रूप से किया जायेगा। इसके लिये सभी जनपदों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने जनपदों के विद्यालयों में कार्यक्रम के प्रसारण की सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दे दिये गये हैं। ताकि कक्षा 6 से लेकर कक्षा 12 तक के समस्त छात्र-छात्राएं, अभिभावक व शिक्षक प्रधानमंत्री के संवाद को देख व सुन सके। डॉ. रावत ने उक्त कार्यक्रम का प्रसारण टीवी के अतिरिक्त एजुसेट व इंटरनेट एक्सेस डिवाइस पर भी देखने की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये।-8 लाख अभिभावकों व शिक्षकों व छात्रों ने किया पंजीकरण : विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के 9वें संस्करण के लिये प्रदेशभर के 8 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं, अभिभावकों व शिक्षकों ने रिकॉर्ड संख्या में अपना पंजीकरण करवाया है। जिसमें विभिन्न जनपदों में 7 लाख 37 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपना पंजीकरण कराया है। इसके अलावा 53149 शिक्षकों व 14512 अभिभावकों ने उक्त कार्यक्रम के लिये अपना पंजीकरण कराया है।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com

ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com